लेखक का संक्षिप्त परिचय :

इन पंक्तियों के लेखक को यह सूचना प्राप्त हुई क्योंकि उसने संयुक्त विभाग के उच्चतम अभिव्यक्ति में अपील करने के बाद इसे इतालवी सर्वोच्च न्यायालय से माँग की, उसने 16 जुलाई 2008 को चर्चित वाक्य संख्या 19499, में प्रत्यक्ष निगम की स्थापना की, जो राष्ट्रपति विन्चेस्सो कारबोने और सलाहकार अल्फोन्सो अमातुच्ची, कि यह अपने सम्पूर्ण रूप में, प्रेरणा एवं बातचीत से निर्मित, इतालवी में संकलित है।

डॉ. अल्फोन्सो अमातुच्ची लेखक का प्रथम संकलन जिसका शीर्षक ''आर्थिक पुनर्मूल्यांकन और बाजारी ब्याज'' था और उनको यह संकलन लिखने का श्रेय प्राप्त है और यह 13 अप्रैल 1977 के इतालवी पत्रिका ''फोरो इतालिआनो'' न. 1388 में प्रकाशित हुई थी।

इन पंक्तियों के लेखक द्वारा कई दशकों से उसके लेखन में प्रस्तावित सिद्धांत यह है कि बकाया में सबसे बड़ी हानि अपने

बाजारी ब्याज और वैधानिक ब्याज के एकमात्र अंतर में पहचानी गयी है।

एकमात्र कारण जो कुछ संदेह पैदा करता है वो है अपने सामान्य स्वभाव के अनुरूप लेनदार द्वारा किया गया संग्रह या इस साक्ष्य के आधार पर उपयोग बैंक ब्याज के सामान्य होने के बदले सरकारी बॉण्ड की विस्तृत रूप से प्राप्ति।

लेखक का ये दृढ़ विश्वास है कि सबसे बड़ी क्षति की पहचान होती है संभवतः मुख्य रूप से बैंक के संग्रह या उसके कर्मचारियों पर ब्याज जो कि क्षतिग्रस्त लेनदार द्वारा जांच किया जाएगा।

तथापि, उनके विचारों में, न्यायाधीश भी अन्य तथ्यों के अभाव में, ⁄पेरणा एवं राज्य के नाम के साथ निष्पक्षता की नीति अपना सकता है।

इटली में लम्बे और महत्वपूर्ण कानूनी विवाद निश्चित रूप से बहुत ही दृढ़ लगता है और एक समान प्रकरणों का पूर्व उदाहरण भी है जो कि अन्य देशों में प्रयोग हुए हैं।

पाठक अपील न्यायालय का पूर्ण एवं मूल इतालवी पाठ्य को संयुक्त विभाग 16/07/2008, 19499 में पढ़ सकते हैं।